

The Gazette of India

प्राधिकार स प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 2]

] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 14, 1989 (पौष 24, 1910)

No. 2]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 14. 1989 (PAUSA 24, 1910)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संक्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1; {PART III—SECTION 1]

उच्च म्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई-100011, दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1988

मं० 11013/2/88-प्रणा०-I--संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सिचवालय सेवा के अवर सिचव श्री हाकिम सिंह को आयोग के कार्यालय में 3700-125-4700-150-5000 रुपये के वेतनमान में संयुक्त निदेशक (ग्रुप 'क' राजपित्त) के पद पर तदर्थ आधार पर, 30-11-1988 से 28-2-1989 तक या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं। श्री हाकिम सिंह की नियुक्त प्रतिनियुक्ति आधार पर है तथा इनका वेतन कार्मिक तथा प्रिणिक्षण विभाग कि का० आ० सं० 6/30/86-स्था० (भुग० 1) दिनांक 9-12-198 6 की अतों के अनुसार विनियमित होगा।

स० 11013/2/88-मणा०-[——संघ लोक सेत्रा प्रायोग क ग्रध्यक्ष में च लोक सेत्रा श्रायोग क कार्यालय में केन्द्रीय गविवालय सवा के निम्नलिखित अवर अचिवों को श्रायोग के कार्यालय में 1---416 GS/88 3700~125-4700-150-5000 रु० के वेतन मान में संयुक्त निदेशक (ग्रुप क' राजपितित) के पद पर तदर्थ श्राक्षार पर 7-11-1988 से 4-2-1989 तक या श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

- श्री ए० गोपाल कृष्णन
- 2. श्रीएन० के० सोनी
- श्री रामफल
- 2. उपर्युक्त नियुक्तियां प्रतिनियुक्ति के स्राधार पर हैं तथा इन श्रिधकारियों का नेतन समय-समय पर संशोधित कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के का० ज्ञा० सं० 6/30/86-स्था० (भुग० I) विनांक 9-12-198 6 की शर्ती के स्रतुसार विनियमित होगा।

दिनांक 9 दिसम्बर 1988

सं०ए० 32014/1/88-() प्रशा०-I---राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कि० स० श्रा० से० संवर्ग के निम्नलिखित वैयक्ति 🤉 सहायकों को उनके नाम के समक्ष दर्शाई गई प्रवधि के लिए अथवा श्रागामी आदेगों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ छाधार पर बरिष्ठ वैयक्ति ह तहायक (के० स० घ्रा० सेवा का ग्रेड "ख") के पद पर नियुक्त किया ाता है :---

ग्रयधि 零甲 सं० श्रीमती सरो । के० कपूर 2-12-88 से 28-2-8 9 तक श्री लेख राजगण्या 2-12-88 单 28-2-8 9 再布 श्री एत सिंह 2-12-88 में 28-2-8 9 तक

 उपरोक्त व्यक्ति इस बास पर ध्यान दें कि वरिष्ठ वं यक्तिक सहायक (के० म०ग्रा० मे० का ग्रेड ''ख़") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ भ्राधार पर है भौर के० स० भ्रा० से० के ग्रेड ''ख'' में विलयन ग्रथवा इस ग्रेड में वरिष्ठ ता के लिए वे हकदार नहीं होंगे।

> कशमीरी लाल भ्रवरयिश्व(का० प्रशा)

गृह मंत्रालय

महा विशालय केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली, विनांक 13 दिसम्बर 1988

सं० ६०-28 017/1/88 -का मिक-Ц-/1830---सेवा निवृत्ति की भायु होने पर सरकारी सेवा से निवृक्ति होने पर श्री मंगल सिंह ने 30 नवम्बर, 1988 के भ्रपराह्म को के श्रॉ ० सु० व० केन्द्रीय भण्डार, बड़वाह (म० प्र०) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> जी०एस० मंडेर महानिदेण ह (के० और सु० व०)

श्रम मंत्रालय श्रम विभाग

(श्रम ब्यूच)

घिमला-171004, दिनांक 6 जनवरी 1989

5/1/89-एन सी पी आई .--नवम्बर, 1988 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय अपभोक्ता मूल सचकांक (आधार क्षर 1982=100) में 1 अंक बढ़ कर 168 (एक सौ अड़सठ) रहा। नवम्बर, 1988 का यह सूचकांक आधार वर्ष 1960≕100 पर परिवर्षिम किए जार्थ पर 5 अंक वढ़ कर 828 (आठ सो अठाईस) आता है।

> सी. चन्द्रमोहन. संयुक्त निद्योशक

कायनिय निर्देशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई विल्ली-2, दिनांक 16 दिसम्बर 1988

सं० प्रशासन०-1/का० म्रा० संख्या 190-⊸ निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रोम राजस्व , इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (अब यहायक लेखापरीक्षा अधिकारी को 5 दिसम्बर, 1988 (पुरुह्मि) से 2375-3500 इंग्लेबनऋग में अगले भादेश तक स्थान(एक लेखापरीक्षा भ्रधिकारी निय्क्ति करते

海甲の नाम सं० श्री स्नार० सी० कपूर

- श्री एम० पी० गोस्वामी
- श्रीएम० पी० माथुर
- श्री जे० एस० गांधी
- श्री बसंत कुमार

विनांक 18 दिसम्बर 1988

मं० प्रशासन्त०-[/का०आ० संख्या 191---निदेशक लेखापरीकाः केन्द्रीय राजस्य-1, नई दिल्ली इस कार्यालय के श्री जेठा नंद, स्थायी ग्रनुभाग प्रधिकारी (श्रव सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारी) को स्थानावम लेखापरीक्षा श्रधिकारी के वेतनक्रम 2375-3500 रु० में 9 विसम्बर, 1988 (भ्रापराह्म) से श्रागे ब्रावेश दिए जाने तक नियुक्ति करते हैं।

सं० प्रशासन् ०-I/का०भा० सं० 193--निवेशक लेखापरीक्षा' केन्द्रीय राजस्व-I, ने मूल नियमावली 30(1) के द्वितीय परन्तुक के म्रन्तर्गत इस कार्यालय के एक स्थायी म्रनुभाग म्रधिकारी (मय महायक लेखापरीक्षा प्रधिकारी) श्री मनोहर लाल की 2375-75-3200-ई० बी०-100-3500 के वेतन में समयमान में लेखा-परीक्षा प्रधिकारी के ग्रेड में 9-12-88 (ग्रपराह्म) से ग्रगले श्रादेश मिलने तक पदोन्नति की है।

> ह०/- भ्रपठमीय उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशा)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंतक नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 दिसम्बर 1988

सं० प्रशा-1/1699/5/1---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री श्रार० वेंकत्रत्तम को रक्षा लेखा महा नियंत्रक के रूप में, दिनांक 15 दिनम्बर, 1988 के पुर्विह्न मे श्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> डी० के० चेत सि रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

उद्योग मंत्रालय

भ्रौद्योगिक विकान विभाग विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग का कार्यालय) नर्भ (बल्ली, विनांक 15 दिसम्बर, 1988

सं ० ०-19018(922) | 88-प्रशासन (राज०) ----राष्ट्रपति, सेन्द्रल इण्डियन फार्माकोपिया लेव, गाियाबाद के श्री पो० के० चटर्जी को लघु उद्योग सेवा संस्थान, गौहाटी में सहायक निदेश क (ग्रेड-I) (रक्षायन) के पद पर दिनांक 24-10-88 । (पूर्वाह्म) से, श्रगले श्रादेश गारी होने तक, नियुक्त करते हैं।

सं०ए०-19018 (948)/88-प्रणा०(राज०)---राष्ट्रपति भारतीय श्राधिक सेवा के ग्रेड-ा घिषकारी श्री श्राई० एस० कुमार को लघु उद्योग सेवा संस्थान, अम्बई में दिनांक 15-11-88 (पूर्वी०) से, श्रगले ग्रादेश जारी होने तक, निदेशक (जी०ए० डी०) के पद पर प्रति नियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 दिसम्बर 1988

सं० 12(267)/61-प्रणा० (राज०) (भाग 2)——सेवा-निवृत्ति की ग्रायुप्राप्त करने पर लघु उद्योग मेवा संस्थान, बम्बई में उप निदेशक (यां विकी), श्री बी० सी० डे दिनांक 30-11-88 के श्रवराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मं०ए०-19018(508)/80-प्रणा० (राज०)—-राष्ट्रपति, भारतीय ग्राधिक नेवा के ग्रेड-[ग्रधिकारी श्री एस० ग्रार० एस० गिल को लंबु उद्योग सेवा सस्यान, लुधियाना में निवेशक (सामान्य प्रणासनिक प्रभाग) के पद पर दिनांक 27-10-88 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> एम० एन० गुरू। उप निदेशक (त्रगा)

इस्पात और खान मंत्रालय खान विभाग (भारतीय खान ब्यरो)

नागपुर, दिनांक 13 दिसम्बर 1988

स० ए०-19012(90)/88-स्था० ए० पी० पी०--दिनांक 15-11-1988 के श्रपराह्म से, ऐ च्छिक सेवा-निवृत्तिलेने पर, श्री पी० एस० घोडके, स्थायी सहायक भंडार श्रधिकारी को कार्य-मृक्त किया गया है श्रीर तद्नुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

> एच० **ब**नर्जी श्रशासन श्रक्षिकारी कृते महानियं तक, भा**रतीय खा**त ब्यूरो

नांगपूर, दिनांक 14 दिसम्बर 1988

स० ए०-19011/428/88-स्था० ए० — संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर, श्री पी० ए० वर्षीस की भारतीय खान ब्यूरों में रु० 3000-100-3500-125-4500 के वेतनमान में उप खिन अर्थणास्त्री (आयूचना) के पद पर दिनांक 6-12-88 के पूर्वीह्म से निय्कित की गई।

जी० सी० शर्मा सह।यक प्रशासन प्रक्रिकारी कृते महाथित्रकाः, भारतीय खाः ब्यूरी

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकराा, दिनांक 15 दिसम्बर 1988

सं० 4-224/88/स्थापना- - भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के महानिदेशक अहर्ग श्रा एस० बोज, पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-1 की प्रधान पुस्तकाध्यक्ष वेतनमान २० 2000-3500 (परिणोधित) ग्रुप बी राजपत्नित पद पर सर्वेक्षण के मुख्यालय कलकत्ता में 6 दिसम्बर, 1988 (पूर्वाह्म) से ध्रगला ध्रीदेण तक पदीश्रम के तौर पर नियुक्त करते हैं।

मं० 4-223/88/स्थापना—-भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के महानिदेशक सहर्षे श्री जे० एन० बड़ाल, श्रनुसंधान सहायक (प्रकाशन)को प्रकाशन श्रधिकारी, बेतनमान ६० 2000-3500 ग्रुप बी राजपित के पद पर इस सर्वेक्षण के मुख्यालय कलकत्ता में दिनांक 6 दिसम्बर, 1988 से श्रमला आदेश तक पदास्त्रित के तौर पर नियुक्त करते हैं।

श्रो० एस० कालड़ा वरिष्ट प्रशासनिक श्रधिकारी

दूरदर्शन महानिदेश।लय

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1988

मं० 31/1/88-एस-4-—आकाणवाणी/दूरदर्शन के निम्न-लिखिस बरिष्ठ अभियांतिकी महायकों की सहायक अभ्यन्ता की श्रेणी में अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है । पदीन्नति होने पर उन्होंने दूरदर्शन केन्द्रों पर अपने नाम के आगे अंकित तारीख से कार्यभार ग्रहण कर लिया है :--

	अधिकारी का नाम त		· कार्यभार
		•	જાગબ મામ,
मं ०	जिस केन्द्र पर वरिष्ठ	वर्तमान स्थान	ग्रहण
	अभियांतिकी सहायक		नारीख
	का पद्य संभाला		
	हुआ था		
1	2	3	4
 स	वश्री		
1	ए० के० सिन्हा,	अल्प शक्ति प्रेषित्र	1-9-88
	दूरदशन केन्द्र, जयपुर	दूरदर्शन, बौकारी	(पूर्वाह्न)

1 2	3	4
सर्बश्री 2. बी० एस० नागराजर्श, दूरदशन अनुप्रसारण केस्य पणजी		27-10-88 (पूर्वाह्म)
 एस०डब्ल्यू०मराठे दूर- दर्शन अनुप्रसारण केन्द्र, पु 		30-8-88 (पूर्वाह्न)
 बलविन्दर सिंह, दूरवर्शन केन्द्र, जालन्धर 	ा दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर	21-10-88 (पूर्वाह्म)
 आर० के० तिपाठी, दूरदर्शन केन्द्र, रांची 	अल्प शक्ति प्रेषि <i>झ,</i> बेगुसराय	31-10-88 (पूर्याह्म)
 के० वेणुगोपालन, दूर- दर्शन केन्द्र, तिरुअनन्तपुरम 	दूरदर्शन केन्द्र, जयपुर	26-10-88 (पूर्वाह्म)
 ए० के० कौल, दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर 	दूरदर्श न केन्द्र, श्रीनगर	19-10-88 (पूर्वाह्म)
 एस० के० तिवारी, अल्प गक्ति प्रेषित. बूरदर्शन, मैनपुरी 	उच्च शक्तिप्रषिक्ष वाराणसी	2 8 -10-88 (पूर्वाह्न)
 श्रीमती ए० भट्टाचार्यः दूरदर्शन केन्द्रः गुवाहाटी 	दूरदर्णन केन्द्र, गुवाहाटी	21-10-88 (पूर्वाह्न)
 श्रीमती एम० दत्ता, आकाणवाणी, कर्सयांग 	दूरदर्शन केन्द्र, कर्सयांग	26-10-88 (पूर्वाह्म)
 कुमारी एस० अनुराधा, दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास 	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	31-10-88 (पूर्वाह्न)
12. श्रीमती पी०शंकरानाराय दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	णन दूरवर्शन केन्द्र <i>,</i> मद्रास	21-10-88 (पूर्वाह्न)
 आर० के० त्यागी, अल्प मिक्त प्रेषिझ, रीवा 		21-10-88 (पूर्वाह्न)
14. बी० एम० पटेल, अल्प झक्ति प्रेषित्र, अमरेली		31-10-88 (श्र9राह्न)
15. एम ० बालकृष्णन, आकाशवाणी, म दुरे	उच्च शक्ति प्रेषिक्त, सुरा	31-10-88 (पूर्वाह्म)
16. एस० ए० वाह्ब, अल्प गक्ति प्रेषित्र, जालना	अल्प शक्ति प्रेषित, जालना	(पूर्वाह्न)
17.पी० एच० प्युटला,	दूरदर्शन केन्द्र,	21-10-88
दूरदर्शन केन्द्र, राजकोट 18. के० जे० चाकु,	राणकाट दूरधर्मन केन्द्र.	(খুনায়ো) 29-10-88
पूरदर्णन केन्द्र, श्रीनगर		(अपरा ह्म)

1	2	3	4
सर	क्री		
19.	रामकुच्ण,	अल्प शक्ति प्रे षित ,	26-10-88
	अल्प गक्ति प्रेषितः,	मं र्डा	(पूर्वाह्न)
	मं ही		
20	पी० के० डे,	दूरदर्शन केम्द्र,	24-10-88
	दूरपर्णन केन्द्र,	क लकत्ता	(अपराह्न)
	क्लकत्ता		
21.	ए० के० पास्ती,	दूरदर्शन केम्द्र,	
		कटक	(पूर्वाह्न)
	खड़गपुर		
22.	आर०के० भूटानो,		
	दूरधर्णन केन्द्र, लखनक		(पूर्वाह्न)
23.	आर० के० खरे,		24-10-88
	दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ	ल खनऊ	(पूर्वाह्न)
_	2. उनर्पुष्त अधिकारी		
सं 2	: वर्षकी अविधि के लि	ए परावाक्षा पर रह	ग ।
			सिह सन्धू,
		प्रशासन उप	निदेशक क्रुते

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिन्तो, विनाह 14 विसम्बर 1988

सं० 4(54)/88-एस- $I(\overline{al})$ --महानिदेशक, आकाश-वाणी श्री धूम सिंह चीहान की 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुग्ये के वेतनमान में 1-12-1988 में अगले आदेशों तक आकाशवाणी, जयपुर में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

> ईण्वर लाल भाटिया प्रणासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

भहानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1988

मं० ए० 12026/5/88-एम० एष०-स्लास्थ्य ्रेसवा महानिदेशाक ने महानियंत्रक तथा लेखा परीक्षण का कार्यालय, नई दिल्ली में लेखा परीक्षा अधिकारी श्री आग० छी० गौतम को 18 अगस्त, 1988 के पूर्वाल में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर डा० राम मनोहर लीहिया अस्पताल, नई दिल्ली में लेखा अधिकारी (ग्रुप ''बी'' राजपवित) के पद पर महर्ष नियुक्त किया है।

चन्द्र भाग उत्र निदेशक (प्रशासन) (मी०जी०एच०एम०-J)

भामा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक, 14 दिसम्बर 1988

म ० एसं/5101/एफ ० एस ० एस ०/स्था० 11/6224— श्री राजीव कुमार गर्मा ते स्टेशन ग्रिधकारी "ए" पद का पद भार 31-10-1988 (ग्रपराह्म) को सेवा-निषृति, पर छोड़ दिया ।

के**० वेंकटकुष्णन्** उपस्थापना ऋधितारी

परमाणु उर्जा विभाग

इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कल्पाक्कम-603 102, दिनांक 9 विसम्बर 1988

सं० इं० गां० प० अ० केन्द्र/ए 32015/1/88-आर/727—
करपाक्तम स्थित इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र के
निदेशक इस केन्द्र के लेखा अधिकारी—II था टी० अन्बुमणा
के पदोन्नति तदर्थ रूप में लेखा अधिकारी—III पद पर हाने
के कारण इस केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणो लिपिक तथा स्थाना-पक्ष सहायक लेखा अधिकारो श्री एस० मणो को इसी केन्द्र में लेखा अधिकारा—II पद पर तदर्थ रूप में 19-09-88 (पूर्वाह्म) में 30-10-88 (अपराह्म) तक नियुक्त करने हैं।

सं० इं० गा० प० ग्रं० केन्द्र/ए 32015/1/88-ग्रार/728-फल्पाक्कम स्थित इन्दिरा गांधो परमाणु अनुसंधान केन्द्र के
निदेशक इस केन्द्र के महायक लेखा ग्रधिकारी श्रीएस० मणे
के पदोक्षति तदर्थ एप में लेखा ग्रधिकारी-II पद पर होने
के कारण इस केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा
स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री बी० राजा को इसी केन्द्र
में सहायक लेखा ग्रधिकारी पद पर तदर्थ रूप में 19-09-88
(पूर्वाह्म) से 30-10-88 (ग्रपराह्म) तक नियुक्त करते
हैं।

सी० स्टीफेन बालसुन्दरम प्रशासनिक प्रधिकारी

श्रंतरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र

स्थापना ग्रनुभाग

तिम्बतंतपुरम-७१५ 022, दिनाक १ विश्वस्थर 1988

सं० वं१० एस० एस० सी०/स्थापना/एफ०/1(17)--निदेशक, विकस साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र (बी० एस० एस० सी०) श्रंतरिक्ष विभाग के विकस साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र में निम्नलिखित कर्मचारियों को पद्योत्ननि में श्रैकानिक/ डजोनियर "एस० बी०" के पद पर रुपये 2000-60-2300 -द० रो-75-3200-100-3500/— के ग्रेड में 1-10-88 के पूर्वाह्म से ग्रागामा ग्रादेश तक एतत्वारा नियुक्त करते हैं ।

। श्रीमती पदमा बद्मनाभन	হুত চল্তে জ'ত
2. श्री एस० सर्नान्द्रन	आहर एमर एकर
3 श्रीमती के लाला	ए० एस० डी०
4. श्रीपी० कें ० रविवर्मन	र्सा० एफ० एफ०
5. श्री एम० के० जोय	भ्रार० पी० एफ०
 श्री गोपाल मोहनदास 	ट∂ি≎ ছ⊂ ছীি≎
7. श्री के० गणेशन	इ० १३१० हो०
 श्री भ्रार० मासिभूषणन नायः 	इ० एम० वी०
9. श्री एम०एम० मुग्ला	पा० एस०एल०बी०

क० जी० नायर वरिष्ठ प्रणासन अधिकारी (स्थापना)

शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा, दिनाक 24 नवम्बर 1988

सं० एस० सी० एफ०/पी०जी०ए०/स्थापना/11/15— नियंत्रक, गार केन्द्र श्री हरो बाब को महायक लेखा प्रधि-कारी के रूप में, पदांत्रति द्वारा वेतनमान २० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200/--- में, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में, स्थानापन्न क्षमता के रूप में दिनाक 18-11-1988 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करने हैं।

> राजन वी० जार्ज प्रधान, कार्मिक श्रौर सामान्य प्रशासन प्रभाग

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ला, दिनांक 13 दिसम्बर 1988

सं० ए.० 32013/9/88-स्था० [—-राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के सर्व श्री ग्रणोक कुमार सहदेव ग्रीर हरमेण कुमार, विरुट्ठ तकनंकी सहायको को दिनांक 24 नवस्बर, 1988 (पूर्याह्न) से 6 महाने की ग्रवधि के लिए या पदों के निर्यामत ग्राधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो तवर्ष ग्राधार पर वैज्ञानिक ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1988

सं० ए 32013/2/86-स्था० 1---राप्ट्रपति, निदेशक अनुसंधान एवं विकास के एद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत श्री वाई० पी० बाबा को नागर विमानन विभाग में दिनांक 28-10-88 से भीर अगले आदेश होने तक 4100-125-4850-150-5300 ह० के वेतनमान में नियमित आधार

पर निवेशक, श्रनुसंक्षान एवं विकास के पद पर नियुक्त करते हैं।

> मुकुल भाद्वाचार्जी उपनिदेशक (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर स्ववेसी स्पीनरम लि०
के विषय में ।

कानपुर, दिनाक 13 दिसम्बर 1988

ं सं० 2898/एल० सी०/15563—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतत्हारा सूचना दो जाती है कि स्वदेणा स्पीनरस लि० का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्रानन्द मिसल चिट फण्ड फाइनेन्स प्राइवेट लि० के विषय में

दिनांक 13 विसम्बर 1988

सं० 3318/एल० सी०/15565——कम्पनो अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतत्द्वारा सूचना दी जातो है कि मानन्द मिन्न चिट फन्ड फाइनेन्स प्रा० लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित कर दी गयी है।

कम्पनी ब्रिधिनियम, 1956 श्रीर सुत्रीम फुटवियर एक्सपोर्टेस प्रा० लिमिटेड के विषय में

दिनाक 13 दिसम्बर 1988

सं० 3390-एल० सी०/15567—अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एतत्-द्वारा यह सूचना दी जातो है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सुप्रीम फूटवियर एक्सपेंटरस प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया ती रिजस्टर से काट विया जायेगा और उन्त कम्पनी विघटित कर दो जायेगी ! कम्पनो म्रिधिनियम, 1956 मौर म्रोपल पाली पैक्स प्रा० लि० के विषय में

दिनांक 13 विसम्बर 1988

सं० 6457-एल० सी०/15569——कम्पनी झिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एततक्कारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर ओपल पाली पैक्स प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

> श्रीम प्रकाश जैन कम्पितयों का रजिस्ट्रार, उत्तर प्रवेश, कानपुर

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और मे० एस० जी० कुवेलकर एंड सन्स (साइनिंग) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । डी० फन्सिसको ग्रालमेडा रोड, पणजी. गोवा '

पणजी, दिनांक 16 दिसम्बर 1988

सं० 319/जो०/560(3)/4069—कम्पनो प्रिधिनियम,

1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुहरण में
एतद्द्वारा यह सूचना वा जाता है कि इस तारीख से तोन
मास के श्रवसान पर मे० एस० जो० कुवेलकर एण्ड सन्स
(माइनिंग) प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृल
कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया
जायेगा और उक्त कम्पना विषटित कर दी जाएगो।

कम्पनी स्रधिनियम 1956 सौर मे० गजानन करमाी माइन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । रिजस्ट्रई कार्यालय, काकोरा, गोवा ।

दिनांक 16 विसम्बद् 1988

सं 316/जी०/560(3)/4069—कम्पनी छिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मे० गजानन करमली माइन्स आहबेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी

भम्पनी ब्रिधिनियम, 1956 ब्रीर मे० बी० बी० पाटिल माइनिंग कम्पनी प्राइवेट लिभिटेड के विषय में चरं नं० 322, पजी फील्ड महगांव, गोवा।

दिनांक 16 दिसम्बर 1988

सं 315/जी/560(3)/4069—कम्पनी श्रिष्ठिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मे० बी० बी० पाटिल माइनिय कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट विया जाएगा और उन्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स श्रोम शिव शक्ति होटल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

विनांक 16 विसम्बर 1988

सं० 163/जी०--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतत्हारा सूचना की जाती है कि मेसर्स भोम शिय शक्ति होटल प्राइवेट लिमिडेड का नाम रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

सु० प्र० काला कम्पनी रजिस्ट्रार, गोबा, दसन एवं धीव सम्बाक सेवा आयोग नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेन्टिसेज प्रशिक्षा, 1989 नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरो 1989

तं० एफ 5-2-88 पं० 1 (ख) - भारत के राजपत विनास 14 जनवर 1989 में रेल मंद्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रेन्टिसेज के पदों पर नियुक्त करने हेतु । चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतल्ला, श्रहमदाबाद, एजेल, इलाहाबाद, बंगलीर, भीपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, धारवाड़, दिसपुर (गुवाहाटी), गंगटोक, हैदराबाद, इम्फाल, इटानगर, जयपुर, जम्म, जोरहाट, कोहमा, लखनऊ, मद्रास, मदुरई, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्टब्लेयर, रायपुर, सम्बलपुर, शिलांग शिमला, श्रीनगर, तिहपति, तिबेन्द्रम, उदयपुर श्रीर विशाखापतनम में 9 जुलाई, 1989 से एक परीक्षा ली जाएगी।

श्रायोग यदि नाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी श्रयास किए जाएंगे ती भी श्रायीन परिस्थित वश किसी उम्मीदवार को श्रपने विवक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश मिल जाता है उन्हें समय-सारिणी तथा परीक्षा (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (श्रनुबन्ध 1 परा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 24 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जासकता है।

इत रिक्तियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जाितयों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्न है सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्न सथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रु० (रु० 2) देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक-घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्न आयोग के काउन्टर पर नगद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये (रु० 2) की यह राशि किसी भी हालस में वापस नहीं की जाएगी।

े टिष्पणी: -- उम्मीदवारों की चेतावनी दी जाती है कि वे अपने मावेदन पत्न स्पेशल क्लास अप्रेन्टिस परीक्षा 1989 के लिए निर्धारित, मृद्रित प्रपत्न में ही प्रस्दुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेन्टिसेज परीक्षा, 1989 के लिए निर्धारित अविदन प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेदनपत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुम्रा म्रावेदन-पत्र म्रावम्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा म्रायोग, धौलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011 को 13 मार्च, 1989 (27 मार्च 1989 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, ग्रवणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालण्ड, विपुरा, सिकिस, जम्मू मौर कम्मार राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौंल ग्रीर स्पाति जिले तथा चम्बा जिले का पांगी छपमण्डल ग्रंडमान ग्रीर निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप ग्रीर विदेशों में रहने वाले छम्मीदवारों के ग्रीर जिनके ग्रावेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 27 मार्च, 1989 तक) उससे पहले डाक द्वारा भ्रवण्य भिजवा दिया जाए या स्वयं भ्रायोग के काउंटर पर जाकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तादीख के बाद होने वाले किस भी भ्रावेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

ध्रसम, मेघालय, ध्रहणाचल प्रदेश, मिणपुर, नागालण्ड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के लाहौल ध्रौर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांगी उपमण्डल, ध्रण्डमान धौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहने वाले उम्मीद-बार मे ध्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 13 मार्च, 1989 से पहले की किसी तारीख से ध्रसम, मेघालय, ध्रक्णाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालण्ड, तिपुरा, सिक्किम, जम्मू धौर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल धौर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पांगी उपमण्डल धंडमान धौर निकीबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेश से रह रहा था।

टिप्पणी (1): जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने वाले भ्रावेदन की प्रस्तुनि हेतु भ्रातिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें भ्रावेदन पत्र के मंगत कालम में भ्रपने पतों में भ्रातिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (भ्रथात असम, मेघालय, जम्मृतथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए भ्रन्यया हो सकता है कि उन्ह भ्रातिरिक्त समय

हिष्पणी (2): - उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न को स्वयं लोक क्षेत्रा भायोग के काउटर पर जमा कराए प्रथवा रिजस्टर्ड डाक दवारा भेजेंगे । श्रायोग के किसी श्रन्य कर्मचारी को दिए गए श्रावेदन-पत्नों के लिए श्रायोग उत्तरदायी नहीं होगा।

5. इस परीक्षा में प्रवेश नाहने वाले उम्मीदवारों को प्राने भरे हुए श्रावेदन-पत्न के साथ ६० ३६.०० (छत्तिस ६० केवल) का शुल्क सिषय, संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली को देय केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों अथवा रेखां कित भारतीय पोस्टल आर्डर के जरिए अथवा संघ लोक सेवा श्रायोग के सित को भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा नई दिल्ली पर देय, भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा से रेखां किस इक हापट के जरिए श्रदा करना चाहिए।

भ्रतुसुचिम जासियों/भ्रतुसुचिम जनजामियों के उम्मीदिवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे प्रपने यहां के भारत के उच्च प्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसे स्थिति हो, के कार्यालय में निधीरित शुल्क इस प्रकार जमा करें, जिससे यह "051 लोक सेवा प्रायोग गरीआ, शृल्क" के लेखा प्रार्थ में जना हो जाए श्रीर उसका रसाद लेकर धावेदन-पन्न के साथ भेज दें।

जि । ग्रापेदन-पत्नीं में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम ग्रस्थीकार कर दिया जाएगा।

6. यदि किसी उम्मीबवार ने निर्धारित गुल्क का भूगतान कर दिया हो किन्तु उसे श्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश
नहीं दिया गया हो, तो उसे ६० 21.00 (रुपये इक्कीस)
की राणि धापिस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6
के नीचे निष्की टिप्पणी-11 की शतों के श्रनुसार परीक्षा
में प्रवेग चाहने वाले उम्मीदवार का श्रावेदन-पद्म यह
सूचना पाप्न होते पर श्रस्वीकार कर दिया जाता है कि
वह श्रद्धक परीक्षा में असफल रहा है श्रथवा वह उपर्युक्त
टिप्पणी के उपबधों की शतों की श्रपेक्षाश्रों का श्रन्यथा
पालन तहीं कर सकेगा तो यह शृक्क वापसी का हकदार
नहीं हुंगा।

उपर्युक्त प्रौर नीचे पैरा 7 में संबंधित व्यवस्था को छोड़कर प्रन्थ किसी स्थिति में प्रायोग को भूगतान किए गए शृहक की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायगा प्रौर न ही शहक को किसी ग्रन्य परीक्षा या चयन के लिए श्रारक्षित रखा जा सकेगा।

7. विव कोई उम्मीववार 1988 में स्पेशल क्लास रेलवे प्रप्रेन्टिसेन परीक्षा में बठा है भीर अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हैं।, तो वह परीक्षा परिणाम का भ्रयवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना श्रपना श्रावेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक श्रायोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। विव 1988 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी भ्रनृशंमा हो जाती है, तो 1989

में परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रद्द कर दी जायेगी और सुन्हें परीक्षा गलक वापिक कर दिया जाएगा, किन्तु गर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने घौर गुल्क वापिसी के बारे में उनका धन्रोध ग्रायोग के कार्यालय में 1988 की परीक्षा के फाइनल परिणाम "रोजगार समा बार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के ग्रन्दर ग्रवश्य पहुंच गाएं।

- 8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्न प्रस्तुत कर देने के बाद, उम्मीदवारी वापिस लेने के संबंध मे किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 9. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिणिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सभी विषयों के प्रश्न-पत्नों में बस्तुपरक प्रश्न पुछे जायेंगे। नमूने के प्रश्न सहित बस्तु।रक परीक्षण संबंधी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदबार मूचना विवरणिका" के अनुबंध-II का प्रवलीकन करें।

कु० बी० के० तेजा, उप सचिव मंघ लोक सेवा ग्रायोग

प्रनृषन्धः । उम्मीदवार को प्रनृदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे ग्रावेदन-प्रपत भरने से पहले नोटिस ग्रीर नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

श्रावेदन-पत्न भे ने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इ•छुक है, श्रांतम रूप से चून लेना चाहिए।

उम्मीदवार को ध्यान रजना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यसया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने धाबेदम में निर्दिष्ट किया था तो उसे मन्त्रित, संघ लोक सेवा आयोग; को इस बात का पूरा भौचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ष काक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहा है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 9 जून 1989 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाभेगा।

2. उम्मीदवार को भावेदन-पत्न भौर पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से श्रथता बाल पाइन्ट पैन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ भावेदन-पत्न भस्वीकार किया जाएगा। उम्मीदिशार यह व्यान रखें कि भावेदन-पत्न भरते समय उन्हें भारतीय श्रंकों में केवल भन्तरिष्ट्रीय रूपों को ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कल छोड़ने के प्रमाण-पत्न, या उसके सनकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारील हिन्दी श्रंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदिवार यह सुनिष्चिस कर लें कि वे भावेदन-पत्न में प्रिविष्ट करते समय इसको भारतीय श्रंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-पत्न में की नई प्रविष्टियां स्पष्ट भौर सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या आमक हैं तो उनके निर्वाचन में होने वाली आति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा धावेदन-पत्न मे उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया गएगा। इसलिए उन्हें धावेदन-पत्र महीं रूप से भरने के लिए विशेष सायधानी बरतनी चाहिए।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले घोषो-गिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रीज-गारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्न अपने नियोवता की मार्फत भेजता है ता वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो भी उप विचार पर नहीं किया जाएगा, भले ही यह नियोवता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत कर किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में, ब्राकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या घ्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कुर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जी लोक उद्यमों के श्रधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिकचन (ग्रंडरटेकिंग) प्रस्तुस करना होगा कि उन्होंने सिखित रूप में ग्रपने कार्यालय/विभाग के प्रधान की मूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रायेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि श्रायोग को उनके नियोगता से उनके उक्त परीक्षा के लिए ग्रावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध ग्रनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलना है तो उनका ग्रावेदन-पत्र ग्रम्बीकृत/ उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

- 3 उम्मीदवार को ग्राप्ते ग्रावेदन-पत्र के साथ निम्त-लिखित प्रलेख ग्रवण्य मजने चाहिए :—→
 - (1) िर्धारित श्रुक्त के लिए रेखािकत किए हुए भारािय पांस्टल झार्डर या वैक ड्राफ्ट या केन्द्रीय भर्ती श्रुक्त टिक्टें (देखिए नोटिस का पैरा 5) केन्द्रीय भर्नी शुक्त टिक्टें झाबेदत-पत्न के प्रथम पृष्ठ पर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर चिपकाएं।
 - (2) श्रायु के प्रमाण-पत्न की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।

- (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की श्रनुप्रमाणिस/ प्रमाणित प्रतिनिधि ।
- (4) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 में भी 6 × 7 में 6 मी 6) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां इनमें से एक प्रति भावेदन-प्रज्ञ पर भीर दूसरी उपस्थिति पत्रक पर िर्धारित स्थान परिचिपका दी जानी चाहिए।
 - (5) स्कूल श्रीर कालेज में उम्मीदवार के शिक्षणकाल का संक्षिप्त विवरण जिम्में उसकी शैक्षिक तथा खेलक्द के सम्बद्ध सफलताश्रों का उल्लेख हो सथा जिसे वह स्वय श्रपने हाथ से लिखें और उस पर हस्ताक्षर करें।
 - (6) जहां लाग हो बहां ग्रनुसूचित जाति/ग्रनुसूजित जनजानि का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की ग्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
 - (7) जहां लागू हो बहां ग्रायु/शृत्क में छूट के दावे के समयंत में प्रमाण-पत्न की ग्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि । (देखिए नीचे पैरा 5) ।
 - (৪) विधिवत भरा हुन्ना उप स्थिति पत्नक (ग्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) ।
 - (9) लगभग 11 5 स० मी० × 27.5 सें० मी० भ्राकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर भ्रापका पता लिखा हो ।

टिप्पणी (1):--उम्मीदवारों को ग्रपने ग्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युषत मद (2), (3), (7) पर उहिलाखित प्रमाण-पत्नी की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत सरकार के किसी राजपद्मित कारी द्वारा प्रमाणित हों। ग्रयवा स्वय उम्नीदवार द्वारा सही रूप में सरयापित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के प्राधार पर व्यक्तिगत परी-क्रण हेतु साक्षात्कार के लिए ग्राह्ता प्राप्त कर लेते हैं उन्ह लिखित परीक्षा के परि-णाम प्रेषित किये जाने तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नीं की प्रस्तुत करनी होंगी। लिखित परीक्षा के मितम्बर, 1989 **मही**ने परिणाम जाने की संभावना है घोषित किये उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पक्षीं को 6य-क्तिरव परीक्षण के समय प्रस्तुत हेतु तयार रखना चाहिए । जो उम्मीदवार उस समय प्रपेक्षित प्रमाण-पन्नी को मुल में करेंगे प्रस्तुत नहीं **उन्ही**

उम्मीदवार। रह करता जायगा मोर मान विचार के लिए उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा ।

टिप्पणी (2):— भावेदन पत्नों के साथ भेजी गई सभी
प्रमाण - पत्नों को श्रनुप्रमाणित/प्रमाणित
प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने
होंगे ग्रीर तारीख भी देनी होंगी।

मद (1) से (5) तक जिल्लाखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (6) और (7) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है।

(1) (क) निर्धारित शुस्क के लिए रेखांकित हुए भारतीय पोस्टल ग्राडर :--

प्रत्येक पोस्टल धार्डर ध्रनियायत. रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव संघ लोक सेवा ध्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी धन्य डाकघर पर देय पोस्टल ब्रार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जायगा। निरूपित या कटे-फट पोस्टल ब्रार्डर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

सभी पास्टल ग्रार्डरों पर जारी करने वाले पास्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मृहर होनी चाहिए ।

उम्मीदशारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जी पोस्टल आईर न नो रेखाकित किए गए होंगे और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय होंगे उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित गृल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :

बैक ड्राफ्ट, स्टेंट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लंक सेवा द्यायेंग को स्टेंट बक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ल. में देय हो तथा विधिवत् रेखाकित किया गया हो।

किसी भन्य बैक में देय बक ड्रापट किसी भी हालत में स्वोकार नहीं किये जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे ड्रापट भी स्वीकार नहीं कये जायेंगे।

टिप्पणी:--उम्मीदवारीं की भ्रापनं ग्राबंदन-पत्न प्रस्तुत कश्ते समय बक ड्राफट की पिछली भीर सिरे पर भ्रापना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल भ्रार्डरों के मामले में उम्मीदवारीं की पोस्टल ग्रार्डर के पिछली श्रार इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर भ्रापना नाम तथा पता लिखें।

(ग) निर्धारित शुल्क के लिये "केन्दीय मर्ती शुल्क टिकर्टे" :---

क्षेन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकर्टे (सामान्य डाक टिकर्टेनही) डाक्स्चर मे प्राप्त करें भीर धावेदन-पक्ष के प**ह**ले पृष्ठ पर इसक लिये निर्धारित स्थान पर चिपका है। जारी करने वाखे डाकघर में उस डाकघर की तारीख की मोहर सिंहत उन टिकटों को इस तरी के से रह किया जाये कि रह करने की मोहर की छाप ग्रांशिक रूप में प्रावेशन-प्रत पर भी ग्रंपने प्राप ग्रां जाये। रह किये गये टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप में ही सके।

"केन्दीय भर्ती शुल्क टिकटों" के स्थान पर डाक टिकटें किसी भी हासत में स्वीकार नहीं की आयेंगां।

(2) श्रायु का प्रमाण पत्न—सायोग जन्म की बह तारी ख स्वीकार करता है जो में द्रिष्ठुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रभाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेंद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा श्रमुरक्षित मेंद्रिकुलेटरों के र्राजस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक, परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका हो वह उच्चतर या माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

भायु के सम्बन्ध में भ्रन्य कोई स्तावेज जैसे जन्मक्षाती, शपथ-पत्न, नगर निगम से श्रीर सेवा भ्रनेशिख से प्राप्त जन्म भूम्बन्धी उद्धरण तथा भ्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।

श्रनुदर्शों के इस भाग में श्राये हुए मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न, वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न निमालित है ।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उज्वतर माध्यमिक प्रीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती है या प्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष ग्रीर महीने दिये होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदबार की मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक प्रीक्षा प्रमाणपत्न की ग्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रितिरक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रितिपल सं लिये गये प्रमाण प्रव की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए उहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीण की हो। इस प्रमाण-पत्न में इस संस्था के दाखिला रिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक ग्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेताबनी दी है कि यदि श्रावेदन-पत्न के साथ इन अनुदेशों में तथा निर्धा-रित श्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो श्रावेदन-पत्न ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी । :-जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न ही, उसे केवल प्रायु में सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ट की ग्रनुप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। टिप्पणी 2: उम्मीदिशार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदिशार की जन्म की उसी तारीस को स्वीकार करेगा जोकि आयंदन पत्र प्रस्तृत करने की तारीस को मीट्किलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में दर्ज है। और इसके बाद उसमें परियर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न ही उसे स्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 3: उम्मीवयार यह भी नोट कर ले कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की नारीस एक बार घोषित कर दोने और आयाग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमित नहीं दो जायेगी।

(3) बंक्षिक यांच्यता का प्रमाण पश्ः - उम्मीदवार को किसी प्रमाण पश्क को अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए तािक इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसस्के पास है। भेजा गया प्रमाण पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् यिश्वविद्यान्तय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उस योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि एसे प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जायं तो उम्मीदवार को उस न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपंक्षित योग्यता सं सम्बद्ध अपने वार्ष के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तृत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के ओचित्यों पर विचार करना किन्तु वह उसं पर्याप्त मानने के लिये बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार व्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किये गये विश्वविद्यालय के इण्टरमीडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण-पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं हैं तो उसे प्रिसिपल के इस आशय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने अर्हक परीक्षा गणित के माथ-साथ भौतिको और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लंकर उत्तीर्ण की हैं।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6(ग) या नियम 6(च) लागू होता हो ता उसे अपनी इंक्षिक योग्यताओं के प्रमाण संस्था के अध्यक्ष में नीचे दिये गये निर्धारिक फार्म में दिये गये निर्धारिक फार्म में दिये गये प्रमाण पत्र की प्रतिलिंग अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। उम्मीदवार द्यारा प्रस्तुत किये जाने याले प्रयाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/क्रमारी*....*सपूत्र/स्पूत्री श्रीइस विद्यतिद्यालय/कालेज/संस्था के/की धास्तियक छात्र/छ।शा* है/थी/थे।

उन्होंने किवर्षीय जिन्नी कोर्स को प्रथम वर्ष की परीक्षा/ पंचवर्षीय इंजीनियरी जिन्नी कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में त्रिवर्षीय डिप्लामा कोर्स को प्रथम परीक्षा जो का समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के दिया निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

अथवा

*3 उनक परीक्षा विषय निम्नलिखित थे :---

- 1.
- 2.
- 3.
- 4 · 5 ·
- c

*पंचवपीय इंजीनियरी डिग्नी कोर्स के विद्यार्थियों पर लागु नही होगा।

> (रजिस्ट्रार/पितिमपल के हस्ताक्षर) (विदर्धावद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

^{*}जो अन्द लागु न हाँ, उन्हें कृपया काट दै।

जिस उम्मीदियार पर नियम 6 के नीचे दिया/वी गई टिप्पणी। लागू होता हो उस जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिक्षिपल/होडमास्टर से लिये गये इस जाशय के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रगाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि इसके कृल अक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक सीमा के अंतर्गत आते हैं।

टिप्पणी:—यदि को इं उम्मीदवार णे सी परीक्षा में बैठ च्का हो जिसे उत्तीण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न फिली हो तो ए में स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिसे आवेदन कर सकता है। जो उम्मीद-सार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहुना हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ए में उम्मीदिसारों को निम्निलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालेज / संस्था के प्रिसिप्त को एक प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि प्रमुत्त करनी चाहिए। यदि ये अन्य शतें पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनित्तम मानी जायेगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण पत्र जल्दी और हर हालत में 25 अगस्त, 1989 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रदद की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की श्रनुमित प्राप्त उम्मीदबार को चा हे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उतीर्ण हो श्रथवा नहीं उपर्युवत श्रवधि के भीतर श्रहंक परीक्षा पास करने का प्रमाण पत्न प्रस्तुत करना होगा । इस श्रावेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारा रहें कर दी जायेगी । श्रीर वह श्रयना परिणाम जानने का श्रधिकारी नहीं होगा ।

उम्मोदवार द्वारा प्रस्तुत किय जाने वाले प्रमाण पन्न का फार्म।

1.

2.

3.

4. 5.

(प्रिसिपल के हस्ताक्षर)

*(कालेज/संस्थाकानाम)

*जो शब्द लागू न हो, उन्हें काट दें।

(4) फीटो की दो प्रतियां:— उम्मीदवार को घपने हाल ही के पासपीर्ट झाकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फीटो की दो एक जैसी प्रतियां भावश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति झावेदन-पन्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पन्नक पर निर्धारित स्थान पर लगा देनी चाहिए। फीटो की प्रत्येक प्रति कपर उम्मीदवार की स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

विशेष ध्यान दें:— उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन पत्न उपर्युक्त परा 3 (2), 3 (3) 3(4) तथा 3(5) के अन्तर्गत उहिलंखित प्रमाग पत्नों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसे न भेजने के लियं कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्न अस्वीकृत किया जाएगा तथा इसकी अस्वीकृत की अपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. यवि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें माता/पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर पर रहते हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिससे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्न बारी करने के लिये सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया

हो, नीचे तिये गय फार्म में दिये गय प्रमाण पत्न की ध्रनु-प्रमाणित/प्रभाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए । यदि उम्मीदवार के माता ध्रौर पिता दोनों की मत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण पत्न जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन में धाम-तौर पर रहता हो ।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिये भावेदन करने वाले श्रनुसचित जाति श्रीर श्रनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्न का फार्म

कं/की* है जिसे निम्नलिखित* के प्रधीन धनुसूचित जाति/ धनुसूचित जनजाति* के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (म्रनुसूचित जातियां) 1950 @

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) भारण, 1950@ संविधान (अनुसूचित जातियां) (सघ राज्य क्षेत्र) म्रादेश, 1951 संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (सघ राज्य क्षेत्र) मार्वेण, 1951#

(भनुस्चित जातियां और अनुस्चित जनजातियां सूची (सशो-धन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुन र्गठन) अधिनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातियां और भनुस्चित जनजातियां (संगाधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संगोधित) संविधान (जम्मू और कण्मीर) अनु-सूचित जातियां आदेश, 1956@

सविधान (ग्रण्डमान ग्रीर निकाबार द्वीपसमूह) ग्रनुस्चित जनजातियां ग्रादेश, 1959 ग्रनुस्चित जाति तथा प्रनु-सूचित जनजातियां (संशोधन) ग्रीधनियम, 1976@ द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान दादरा <mark>भौर</mark> नागर हवेशी) अनुभूचित जातियां भावेश, 1962@

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964@ संविधान (अनुसूचित जनजातियां) जत्तर प्रदेश) आदेश, संविधान (अनुसूचित जनजातियां) जत्तर प्रदेश) आदेश, 1967@ संविधान (गोवा, दमन और द्वीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968@

संविधान (गोवा, दमन भीर द्वीव) भनुसूचित जनजातियां भादेश, 1968@

सर्विधान (नागालैण्ड) धनुसूचित जनजातियां भादेश,1970

संविधान (सिक्किम) धनुसूचित जाति भादेश, 1978@ संविधान (सिक्किम) धनुसूचित जनजाति भादेश, 1978

%2 अनुमूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों के मामले में लागू जो एक राज्य/मंघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन से प्रजनन कर चुके हैं।

राज्य/संध राज्य क्षेत्र@ में ध्रनुसूचित जाति/ध्रनुसूचित जनजाति@ के रूप में मान्यता प्राप्त है के पिता/माता@ श्री/श्रीमती.....को जारी प्रमाण पत्र के ग्राधार पर जारी किया जाता है।

के द्वारा जारी।

दिनांक......

% ३ श्री/श्रीमती/कृमारी*.... भौर/या* जनका परिवार भामतौर पर गांव/कस्बा जिला/मङ्गल*.... राज्य/संघ*राज्य क्षेत्र

.....में रहते/रहती* हैं । हुस्ताक्षर.....

> पदनाम...... (कार्यालय को मोहर)

*राज्य/सघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

@ क्वपया राष्ट्रपति का विभिष्ट श्रादेश निर्दिष्ट करें। %जो पैरा लागून हो उसे काट दें।

टिप्पणी:—वहां "ग्रामतौर से रहते/रहती हैं" का भर्थं बही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन भाफ दि पिपल एक्ट 1950" की भारा 20 में हैं जाति/जनजाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिये सक्षम प्राधिकारियों की मूची से।

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/म्रितिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर डिप्टी किम्प्रिनर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवि-जनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रसिस्टेंट किमश्नर ।

†प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम घोहदे का नहीं।

- (2) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल/चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट ।
- (3) रेवेन्यू ध्रफप्तर जिसका घ्रोहदा, तहसीलदार से कम नहों।
- (4) उस इलाके का सब-डिविजनल ग्रकसर जहां सम्मीदबार भीर उसका परिवार भामतौर से रहता हो।

- (5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/इवलपमेंट सफसर लक्ष्टीप ।
- 5(1) नियम 5 (ख) (2) अथवा 5 (ख) (3) के अन्तर्गत आसु सीमा में छूट चाहने वाले ऐ से उम्मी-दबार की, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक पुनर्वास रक्षा मंज्ञालय से नीचे िधीरित फाम पर लिये गये प्रमाण पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रम्मुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में अग्य करते हुए विदेशी शन्नु के साथ संघर्ष में अग्यवा अश्वांतिग्रस्त क्षत्र में फीजी कार्यवाही के दौरान हुआ ग्रीर परिणास्वरूप निमुक्त हुआ।

जम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण प्रज्ञ का फाम

> हस्ताक्षर..... नाम..... तारीख.....

*जी प्रकट लागून ही क्रुनिया उन्हें काट दें।

- (2) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कर्म। यन प्राप्त प्रधिकारी (भ्रापातकालोन कमोशा। प्राप्त अधिकारियों श्रिल्पकालीन सेवा कमीशान प्राप्त प्रधिकारियों सिहत) नियम 5(ख) (4), 5(ख) (5), 5 ख (6) अथवा 5 ख (7) की शर्तों के अप्रोन भ्रापु मीनाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपत्न में उन पर लागू होने वाली प्रमाण पत्न की एक प्रमाणित/ धनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।
- - (क) उन्होंने पांच या पांच से ग्रधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है श्रीर कायकाल के समापन पर कदाचार या श्रक्षमता के कारण बखीस्त या काय-मृक्त होने के श्रलावा श्रन्य श्राधार पर कार्य-मृक्त हुए हैं।

(खा) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारोरिक धनगता	
या प्रक्षमता के कारणका	
कार्यम ुप त हुए हें ।	
सक्षम प्राधिकारी का	
नाम तथा पदनाम	
मोह्र	
तारीख	
स्यान	
(ख) सेबारत/कार्मिकों पर लागु जिन्हें 6 मास के भीतर	
कार्यमुक्त होना है :	
् प्रमाणित किया जाताहै किसंo	
रैकसाम	
जिनकी ज∗म की तिथि	
सेनः/	
से सेता/नौसेना/	
बायुसेना में सेवा कर रहे हु।	
2 उन्हें से कार्यमुक्ति/से वा/	
निवृत्त होना है : उनका पांच वर्गका कार्यकाल तक	
समाप्त होने की संभावता है।	(ख)
सक्षम प्राधिकारी का	. 2 <u>3</u> 8
ताम तथा पदनाम	मू मिधिव
मोहर	रहा
स्थान	सन्या
तारीच	198
प्रमाण पत्र जारी करने वले सक्षम प्रीधिकारी निम्त	[राज्य
लिखित ह	्री ^{राज्} य
लिखित ह (ग) यह उन सेवास्त कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने	[ूरा ^उ य
लिखित ह (ग) यह उन सेवास्त कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रादम्भिक नियुन्ति की ग्रविष्ठ	<u></u> ्राज्य
लिखित ह (ग) यह उन सेवारत कार्मिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रविध पूरी कर ला है श्रीर अवाई गई श्रविध पर काय	[रा ^{ড्} य जो
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रविध पूरी कर ला है श्रीर अवाई गई श्रविध पर काय कर रहे ह	;
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कार्मिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रविध पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रविध पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं०	ैं : : जो
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कार्मिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रविध पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रविध पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं०	ः जो पुलिस
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं रक	 जो पुलिस जिले 198
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं०	 जो पुलिस जिल 198
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर ला है और बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं	 जो पुलिस जिले 198
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर ला है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक	 जो पुलिस जिले 198
लिखित ह .— (ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक	 जो पुलिस जिले 198
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक नाम	 जो पुलिस जिले 198
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक	 जो पुलिस जिले 198
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक	 जो पुलिस जिले 198
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक	जो पुलिस जिले 198 • • • • सक
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है और बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं०	 जो पुलिस जिले 198
(ग) यह उन सेवारत कार्मिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की ध्रवधि पूरी कर लां है और बढ़ाई गई ध्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक ताम	 जो पुलिस जिले 198 सक
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिन्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है श्रीर बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं०	 जो पुलिस जिले 198 सक
(ग) यह उन सेवारत कामिकों पर लागृ होगा जिल्होंने पहले ही सेवा की प्रारम्भिक नियुक्ति की श्रवधि पूरी कर लां है और बढ़ाई गई श्रवधि पर काय कर रहे ह । यह प्रमाणित किया जाता है कि सं० रक	 जो पुलिस जिले 198 सक

- (क) कमीशन प्राप्त श्रविकारियों (ग्रापातकाली कर्मा-शन प्राप्त ग्रविकारी/ग्रल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त ग्रविकारियों सहित) के मामले में :--थलसेना--मिलिटरी सेक्नेटरी की शाखा, थलसेना मुख्यालय, नई दिल्ली । नौसेना--कार्मिक निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली । वायुसेना--कार्मिक निदेशालय ग्रविकारी, वायु-सेना मुख्यालय, नई दिल्ली ।
- (ख) नौसेना तथा वायुसेना के ज्ियर कमीणन प्राप्त भिष्ठकारियों/भ्रन्य रेंकों तथा समकक्ष भ्रधिकारियों के मामले में :— यलसेना—विभिन्न रेजिमेंटल रिकाडं कार्यालयों द्वारा । नौसेना—वी० ए० बी० एस०, बम्बई । वायुसेना—वायुसेना रिकाडं (एन० ६० भ्राप्त डब्स्यू०), नई दिल्ली ।
- (3) "झसम के रहने वाले व्यक्ति को जो नियम 5 (ख) (8), 5 (ख) (9) के झन्तर्गत झायु सीमा में छूट चाहता है उसको उस जिला मैजिस्ट्रेट झयवा उपमंडल झिकारी से जिसके क्षेत्राधिकार में वह संधारणतः नियासी रहा हो इस झाश्य के प्रमाण पत्र की एक झिमप्रमाणित/सम्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1 जनवरी, 1980 से 15 श्रगस्त, 1985 की भ्रविध के दौरान भसम राज्य का प्रवासी रहा था।"

जम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पन्न का फामे यह माणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी , सुपुन्न/सुपुन्नी श्रीगाव/कस्बा (स्टशान, सुपमंडल,में पहली जनवरी, 0 से 15 श्रगस्त, 1985 तक की भवधि के दौरान श्रमम राज्य के निवासी थे। जिला मजिस्देट • • • • • • • • • • • • • • • • जिला उप मंडल जिला पिधकारी

मोहर जारी करने की तारीख

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पान्नता प्रमाण-पत्न (एलिजिबिलिटी सार्टिफिकेट) ग्रावश्यक हो तो उसे ग्रभीष्ट पान्नता प्रमाण-पत्न प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रैल संज्ञालय (रेलवे बोर्ड) को ग्रावेदन करना चाहिए ।

. उपमंख्ल

7. उम्मीदवार का चेतावना दो जाती है कि व श्रावेदन-पत्र भरते समय कोई झुठा कोरा न दे अथवा किसी सही सूचना की न छिपाय ।

उम्मीदवार को यह चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्न भ्रथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति को किसी प्रविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उममें परिवर्तन करें भौर न उनमें कोई फेरबदल करें भौर न ही फेरबदल किये गये स्टें प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दी या श्रधिक प्रमाण पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई भ्रशुद्धि भ्रथवा विस्ताति हो तो जिसंगति के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया जाये।

- 8. भ्रावेद । पत्न देर से प्रस्तुत किय जाने पर देरी के कारण के रू। में यह तर्क स्वोकार नहीं किया जायेगा कि भावेद । पत्न की श्रमुक तारीख को भेजा गया था। भ्रावेद त- पत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है।
- 9. श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक ध्रावेदन पत्न जिसमें देर मे प्राप्त ध्रावेदन पत्न भी सम्मिलित हैं कि वायतों वी जातों हैं तथा ध्रावेदन पत्न की प्राप्त के प्रतिक्ष के प्रतिक्ष के प्रमिदनार को ध्रावेदन पत्र को प्राप्त के प्रविद्य स्वित कर दीं जाती हैं। यदि किसी उम्मीदनार को उक्त वरीक्षा के श्रावेदन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित ध्रन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर वावती नहीं मिलती हैं तो उसे तत्काल ध्रायोग से पावती हें तु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मोदनार को श्रावेदन पंजीकरण संस्था सूचित कर दी गई ह श्रपने श्राप यह श्रय नहीं है कि श्रावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है भीर श्रायीग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके प्रावे-दा-पन के परिणाम की सूचा। यथाणीझ दे दी जायेगी। किन्तु यह हीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को प्रपने श्रावेद।-पक्ष के परिणाम की जानकारीन मिले तो उसे श्रायोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित अरा। चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐमा नहीं किया तो नह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से बंचित हो जायेगा।
- 11. संब लोक सेवा श्रायोग में "संघ लोक सेवा श्रायोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हृतु उम्मीदवार विवरणिका" शीषक से एक ममूल्य पुस्तिका छापी हैं। इसका डिजाइन ऐसा ह जिससे मं० लो० से० श्रायोग की परीक्षाशों या चयनों की भावी उम्मोदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा पारस्परिक प्रकार के प्रध्न पत्रों का उल्लेख करने वाले पम्फलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिवल लाइन्स, देहली—110054 के पास बिकी के लिये सुलभ हैं और इन्ह उनसे सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा गकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एमोरिया बिलिंडग "सो" बलॉक बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 ग्रीर (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का विकी काउन्टर ग्रीर (3) गवर्नमेंट ग्राफ इंडिया बृक डिपो 8~के० एस० राय रोड़, कलकत्ता-। से भी लिया जा सकता है; मैनुग्रल/पम्पलैट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिन शहरों में स्थित एजटों से भी उपलब्ध हैं।

12 आवेद १-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार—आवेद १ पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र ग्रादि समित, संघ लोक सेवा श्रायोग, श्रीलपुर हाउस, नई दिल्ली—110011 की भेज जायें तथा उसमें नीचे लिखा व्योरा ग्रावियं रूप मे दिया जाये:

- परीक्षाका नाम
- 2. परीक्षा का महीना ग्रौर वष
- 3. ग्रावेदन पंजीकरण सं०/रोल नम्बर, श्रथवा उम्मीद-वार की जन्म तिथि यदि ग्रावेद। पंजीकरण सं०/रोल नम्बर सुचित नहीं किया गया हो ।
- 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े प्रक्षरों में)
- अप्रवेदत पत्न में दिया गया पत्न व्यवहार का तता।
 विशेष व्यान (1) जिन पत्नों में यह व्यौरा नहीं होगा,
 संभवतः उत पर व्यान नहीं दिया
 जायेगा।

विश्वेष ध्यान (2) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पद्म/
संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त
होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम
व प्रानुक्रमोक नहीं हैं तो इस पर ध्यान न
वेते हुए कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।

13. पते में परिवर्तन--उम्नीदवार को इस बात की श्यबस्था कर लेनी चाहिए कि उसके मावेदन पत्न में उहिलबित पते पर भज गवे पत्न श्रादि धावश्वक होने पर, उसकी बवले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का पिव्यतंन होने पर भायोग को उसकी सूचना उर्द्दुक्त परा 12 में उहिलक्षित ब्यौरे के साथ यथाशीझ दी जानी चाहिए। श्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान वेने का पूरा-पूरा प्रयहन करता है। किन्तु इस विश्य में वह कोई जिम्प्रवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

उम्मीदबार को सूचनार्थ विवरणिका

(क) बस्तुपरक परीक्षण:

भ्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "वस्तृपरक परीक्षण" हीगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में श्रापकी उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रण्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिए कई मुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्यूक्तर कहा जायेगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरिशका का उद्देश्य आपकी इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपकी कोई हानि न हो।

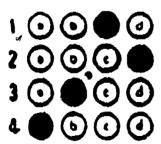
(खा) परीक्षण का स्वरूप:

प्रश्न पत्न "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3, आदि के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए०, बी०, सी०, डी० चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्यत्तर लिखें होंगे। आपका काम एक सही या यदि अ(पक्तां एक से अधिक प्रस्युत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रस्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक लुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको एक अलग उत्तर पक्षक दिया जायेगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेण प्रमाण-पक्ष के साथ भेज दी जायेगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पक्षक में लिखने होंगे। प्रश्न पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़ कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नाणों की संख्यायें 1 ते 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नाण के सामने, ए०, बी०, सी०, डी० चिह्न बाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। प्रश्न-- पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाण को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर बाले वृत को पेंसिल से पूरी तरह काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

 प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

3 -416 GI/88

2. गलम निणान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा वें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लायें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करत समय कोई ऐसी असावधानी न ही जिसमें वह फट जाए या उसमें मोड़ ब्र सिलवट आदि पड़ जायें या वह खराब हो जायें।

(भ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम:

- आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी का परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- 3 परीक्षा गुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4 परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको प्रश्न-पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कूट- बद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में आपके नाम अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जायेंगे।
- 6. प्रश्न पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आप के नम्बर कम ही सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संविष्ध है, तो उस प्रश्नांण के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग का आरम्भ या समाप्त करने को कहें ता उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लायें, आपकी अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह वी जाती है कि आप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लायें जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखन उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरन नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की हारीख लिखें और परीक्षण समाप्त हाने के बाद उसे अपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेक्षय की वापम कर दें।

(ड) विशेष अनुदेश:

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सुचना भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपनी प्रश्न पुस्तिका वेंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलन पर भाष यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यशा; उसे बदलना खें। प्रश्न पुस्तिका की जीलने ते पहले उसके प्रथम पूष्ठ पर अपना अनुक्रमांक लिखा बें, आपको प्रश्न पुस्तिका सन तक खोलने की अनुमत्ति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(भ) कुछ उपयोगी सुझाव :

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेकां गृद्धता की जांचना है, फिर भी वह जरूरी है कि आप अपेंग समय का यथा संभव दकता से अपेंगा करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जरूरी काम कर सकते हैं करें पर लापरवाही न ही। आप सभी प्रश्नों का बत्तर नहीं वे पाते हों ती जिल्ला न करें। आपकी जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पहें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की और बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नाशों के अंक समान होंगे। **उन सभी के छत्तर** वें। आपके द्वारा अंकित सद्दी प्रत्युत्तरों की संख्या के जाधार पर ही आपकी अंक विए जामेंगे। गलस उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

(छ) परीक्षण का समापनः

जैसे ही पर्ववेक्षक आपकी लिखना बन्द करने की कहें आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक कि निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक बस्तुयें ले जायें और आपकी हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक तथा कच्चे फार्म का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट---सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिग्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के माक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त आव होता है?

- (क) रक्त का दाब वासुमडल के दाब से कम होता है।
- 📍 (चा) रक्त का दाय भागुमंडल के दाब से अधिक होता।
 - (ग) रक्त बाहिकाओं की अन्दरूनी सथा बाहरी णिराओं पर दाब समान होता है।
- (ध) रक्त दाव वायुमंडल की दाब के अनुहर घटता बदता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyma)

There was a record turnout of voters at 'the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (দুৰি)

अरहर में फूलों का झड़ना निम्नलि**श्रिक्त में** से फिंस एक जपाम से कम किया जासकता है ?

- *(न) मृद्धि निमंत्रक द्वारा विष्कृकाथ
 - (ब) दूर-दूर पौधे लगाना
- (ग) सही ऋसु म पौध लगाना
- (भ) थोड़े-भोड़ फासले पर पौन्ने लगाना

4. (रसायन विज्ञान)

На О₄ का एनहाइप्राइट निम्मलिखित में से बधा होता है ?

- (a) VOs
- (b) VO₄
- (c) V₂O₀
- *(d) V₄O₄

5. (धर्षशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निस्नलिखित में से किस स्विति ने होता है ?

- *(क) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो ।
 - (ब) मजदूरी तथा सीमांत राजस्य ब्रत्यादन दोनी बरा-बर हों।
 - (ग) मजवूरी सीमांत राजस्य सत्याव से झविक हो।
 - (च) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वैश्वस् इंजीनियी)

एक समाक्ष रेखा को आपेक्षिक पैराविखतांक 9 के परा-विध्वत से सम्पूरित किया गया है। यदि 'ती' मुक्त अन्तराल में खंचरण वेग दर्शाता है ती लाइन में संघरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (भू-विशाम)

बेसाल्ट नें प्लेजिकोक्लेस क्या ोता है?

- (क) भालिगोमलेज
- *(ख) लड़ोडोराई]
- (ग) एल्बाइट]
- (व) एनायहिट

8. (गणित)

मूल बिन्तु से गजरने बाला और $\frac{d^3y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = Q$

समीकरण की संगत रखने वाला वक-परिवार निम्ल्लिखिछ में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (**क**) y—ax+b
- (ex) y—ax
- $(\pi) y = ae^x + be^{-x}$
- *(¶) y=±ac*--a

9 (जीतिकी)

एक ब्राइशे ऊल्या इंजन 400° K भीर 300° K भीर तावक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी अमता निम्मंलिखित म से क्या मोगी?

- (事) 3/4
- *(*) (4+3)/4
- (7) 4/(3+4)
- $(\Psi) \ 3/(3 \div 4)$

10: (संक्रिकी)

यद्विदिपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसारण निम्न-लिखित में से क्या होगा ?

- (事) 42
- *(**T**) 3
- (ग) ∝
- (可) -5

11. (म्गोल)

बर्गी के दक्षिणी भाग की भत्यधिक समृद्धि का कारण मिक्निलिखित में से क्या है ?

- (क) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है।
- *(ख) बर्नी की ग्रजिकांश नदियों क्य डेस्टाई भाग है।
- (ग) वहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (घ) देश के श्राधिकांश रोज क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

नाहमणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य महीं है ?

- (क) बौक्ष धर्म के उरकर्ष काल में भी श्राहमणवाद के भनुयायियों की संख्या बहुत श्रक्षिक थी,।
- (का) बाहमणवाद बहुत श्रधिक कर्मकांड और ग्राडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- *(ग) ब्राह्मणबाद के प्रभ्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी बच्च कर्म का महत्व कम हो गया।
 - (भ) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दक्षाओं को बक्छ करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्वारित थे।

13. (वर्शन)

निव्मलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समूह कौन सा है?

- (क) बीख न्याय चार्वीक मीमीसा
- (ख) न्याय वैशेषिक, जैन ग्रीर बौद्ध, चार्वीक
- (ग) अवर्वेस वेदास्त, सांख्य, चार्वाक यीग
- *(ध) बीद्ध, साँख्य, मीमांसा, चार्याक

14. राजनीति विज्ञान

'बृत्तिगत प्रतिनिधान 'का प्रर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- (क) व्यवसाय के झाधार पर विधानमंडल में प्रति— निधियों का निविचित्त।
- (ख) किसी समूह का किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (ग) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधित्व को जुमाब।
- (च) श्रमिकों संबों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15 (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्मलिखित में से किस को निर्देशित करती है?

- (क) लक्ष्य सम्बन्धी प्रावश्यकता में वृद्धि
- *(ख) भासात्मक ग्रवस्था में न्यूनता
- (ग) ब्यावहारिक अधिगम
- (भ) पक्षतापूर्ण अधिगम

16. (समाजशास्त्र)

भारत में पंजायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है?

- (क) ग्राम सरकार में महिलाभी तथा कमजोर वर्गी को भीषचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुमा है।
 - (खा) खूधाछात कम हुई है।
- (ग) बंचित वर्गों के लीगों को भूस्क्रामित्व का लाभ मिला है।
- (व) जनसाधारण में शिक्षा का प्रसार हुमा है।

 हिंचणी: --- शमीववारों की यह स्थान रखना चाहिए कि
 स्वर्यक्त असूति के प्रश्नांक (प्रश्न) केवल उवाहरण के लिए दिए गए हैं सीर यह असरी नहीं है

 कि ये इस परीक्षा की पाठयवार्य के सनुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 8th December 1988

No. A-11013/2/88-Admn.I.—Chairman, UPSC is pleased to appoint Shri Hakam Singh, Under Secretary of CSS in the Office of Union Public Service Commission as Joint Director (Group 'A' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 3700-125-4700-150-5000 in the Commission's Office on ad-hoc basis w.e.f. 30-11-88 to 28-2-89, or until further orders, whichever is earlier. The appointment of Shri Hakam Singh is on deputation basis and his pay will be regulated in terms of Deptt. of Personnel & Training's OM No. 6/30/86-Estt (Pay-I), dated 9-12-1986.

No. A.11013/2/88-Admn.I.—Chairman, UPSC, is pleased to appoint the following Under Secretaries of CSS in the office of Union Public Service Commission as Joint Directors (Group 'A' Gazetted) in the pay scale of Rs. 3700-125-4700-150-5000 in the Commission's Office on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 7-11-1988 to 4-2-1989 or until further orders whichever is earlier:—

- (1) Shri A. Gopalakrishnan
- . (2) Shri N. K. Soni
 - (3) Shri Ram Phal
- 2. The above appointments are on deputation basis and the pay of these officers will be regulated in terms of Department of Personnel and Training's O.M. No. 6, 3/86-Estt. (Pay-1) dated 9-12-1986 as amended from time to time.

The 9th December 1988

No. A. 32014/1/88(ii)-Admn. I.—The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) in the same cadre on unl-hoc basis for the period as indicated below against their names or until further orders, whichever is earlier:—

_			 	
S.	Name			Period
	(S/Shri)			
1. S	mt. Saroj K. Kap	00r		2-12-1988 to 28-2-1989
2. L	ekh Ram Gupta			Do.
3. F	taj Singh			Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc-basis and will not confer on them any title—for absorption in Grade 'B' of CSSS or for seniority in that Grade.

EKASHMIRI LAL, Under Seey. (Pers. Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110003, the 13th December 1988

No. E-28017/1/88-Pers.II.1830.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation Shri Mangal Singh relinquished charge

of the post of Assistant Commandant, CISF Central Stores, Barwaha (M.P.) in the afternoon of 30th November, 1988.

G. S. MANDER Director General/CISF

(OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUES-I)

New Delhi, the 16th December 1988

No. Admn.I/O.O. No. 190.—The Director of Andit, Central Revenues-I, hereby appoints the following permanent Section Officers (now Asstt. Audit Officers) of this office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 2375-3500 with effect from the forenoon of 5th December, 1988 until further orders.

- S. No. and Name
 - 1. Shri R. C. Kapoor
 - 2. Shri M. P. Goswami
 - 3. Shri M. P. Mathur
 - 4. Shri J. S. Gandhi
 - 5. Shri Basant Kumar

No. Admn.1/O.O. No. 191.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Jetha Nand, a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the afternoon of 9th December, 1988 until further orders.

No. Admn.1/O.O. No. 193.—The Director of Audit, Central Revenues-I, has ordered under 2nd provise to the I-R. 30 (1), the proforma promotion of Shri Manchar Lal, a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office, to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from 9-12-1988 (AN) until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR (LABOUR DEPARTMENT)

(LABOUR BUREAU)

Shimla-171 004, the 6th January 1989

No. 5/1/89-NCPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base; 1982—100 increased by one point to reach 168 (One hundred sixty eight) for the month of November, 1988. However on Base: 1960—100 this index increased by 5 points to reach 828 (Eight hundred twenty eight) for November, 1988.

C. CHANDRAMOHAN

Jt. Director

(DEFENCE ACCOCN'TS DEPARTMENT) (OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS)

New Delhi-110066, the 19th December 1988

No. AN-1/1699/5/L.—The President is pleased to appoint Shri R. Venkataratnam, an officer of the Indian Defence Accounts Service, as Controller General of Defence Accounts with effect from the forenoon of 15th December, 1988, until further orders.

Addi. Controller General of Defence Accounts (Administration)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 15th December 1988

No. A.19018(922)/88-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. K. Chatterjee, Central Indian Pharmacopoia Laboratory Ghaziabad as Assistant Director (Grade I) (Chemical) at Small Industries Service Institute Gauhati with effect from the forenoon of 24-10-88 until further orders.

No. A-19018(948)/88-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Verghese, Assistant Director Indian Economic Service as Director (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute Bombay on deputation basis with effect from the forenoon of 15-11-88 until further orders.

The 16th December 1988

No. 12(267)/61-Admn.(G)Vol.II.—On attaining the age of superannuation Shri B. C. Dey, Deputy Director (Mechanical), Small Industries Service Institute, Bombay retired from Government service on the afternoon of 30-11-1988.

No. A.19018(447)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Verghese, Assistant Director (Grade I) (Industrial Management & Training) Small Industries Service Institute, Trichur as Deputy Director (Industrial Management & Training) at the same Institute with effect from the forenoon of 3-10-1988 to 31-10-88.

No. A-19018(508)/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. R. S. Gill, a Grade I Officer of Indian Economic Service as Director (General Administrative Division) on deputation basis at Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from the forenoon of 27-10-1988 until further orders.

M. N. GUHA Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th December 1988

No. A-19012/90/88-Fstt.A.PP.—On taking voluntary retirement Shri P. S. Ghodke, Permanent Assistant Stores Officer has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from 15-11-88(A/N) and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department from the said date.

H. BANERJEE Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 14th December 1988

No. A-19011/428/88-Esit.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission Shri P. A. Verghese has been appointed as Deputy Mineral Economist (Int.) in the Indian Bureau of Mines in the pay scale of Rs. 3000-100-3500-125-4500/- w.e.f. 6-12-1988(F/N).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
for Controller General
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 15th December 1988

No. 4-224/88/Estt.—The Director General, Anthropological Survey of India, is pleased to promote Shri S. Bose, Librarian, Grade-I, to the post of Head Librarian (Gorup-B, Gazetted) in the scale of pay Rs. 2000-3500/- (Revised) at Head Office, Calcutta, on the forenoon of the 5th December, 1988, until further orders.

No. 4-223/88/Estt.—The Director General, Anthropological Survey of India, is pleased to promote Shri J. N. Boral, Research Associate (Publication), to the post of Publication Officer, (Group-B, Gazetted) in the scale of pay Rs. 2000-3500/- (Revised) at Head Office, Calcutta, on the forenoon of the 6th December, 1988, until further orders.

O. S. KALRA Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi, the 7th November 1988

No. 31/1/88-S. IV.—The following Senior Engineering Assistants of AIR/DD have been appointed in the grade of Am on regular basis until further order. Consequent upon their promotion they have assumed charges—at Doordarshan Kendras from the date as shown against each:—

S. Name of Officer & No. post of SEA held at	Present place of posting	Date of joining
1 2	3 .	4
S/Shri 1. A.K. Sinha, DDK, Raipur.	LPTV, Bokaro	01-09-88 (FN)
 B.S. Nagaraja, TVRC, Panaji. 	HPTV, Silchar	27-10-88 (FN)
3. S.W. Marathe, TVRC, Pune.	TVRC, Punc	30-08-88 (FN)
 Balwinder Singh, DDK, Jalandhar. 	DDK, Jalandhar	21-10-88 (FN)
 R.K. Tripathi, DDK, Ranchi. 	LPTV, Begusa _r ai	31-10-88 (FN)
 K. Venugopalan, DDK, Trivandrum. 	DDK, Jaipur	26-10-88 (FN)
 A.K. Kaul, DDK, Srinagar. 	DDK, Srinagar	19-10-88 (FN)
8. S.K. Tiwari, LPTV, Mampuri.	HPTV, Varanasi,	28-10-88 (FN)
 Smt. A. Bhattacharya, DDK, Guwahati. 	DDK, Guwahati	21-10-88 (FN)
Smt. M. Dutta, AIR, Kurscong.	DDK, Korscong	26-10-88 (EN)
 Km. S. Anuradha, DDK, Madras. 	DDK, Madras	31-10-88 (FN)
12. Smt. P. Sankaranara- yanan, DDK, Madras,	DDK, Madras	21-10-88 (FN)

1 2	3	4
S/Shti	<u> </u>	<u> </u>
 R.K. Tyagi, LPTV Rewa. 	LPTV, Rewa	21-10-88 (FN)
 V.M. Patel, LPTV, Amreli. 	LPTV, Amreli	3110-88 (AN)
15. M. Balakrishnan, AIR, Madurai,	HPTV, Tura	31-10-88 (FN).
 S.A. Wahab, LPTV, Jaina. 	LPTV, Jaina	05-11-88 (FN)
17. P.H. Ghutla, DDK, Rajkot,	DDK, Rajkot	21-10-88 (FN)
 K.J. Chaku, DDK, Srinagar. 	DDK, Srinagar	29-10-88 (FN)
Ram Krishan, LPTV, Mandi.	LPTV, Mandi	26-10-88 (FN)
20. P.K. Dey; DDK. Calcutta.	DDK, Calcutta	24-10-88 (AN)
21. A.K. Panti, LPTV, Kharagpur,	DDK, Cuttack	31-10-88 (FN)
22.R.K Bhutam, DDK, Lucknow.	DDK, Lucknow	24-10-88 (FN)
23. R K. Khate, DDK, Lucknow.	DDK, Lucknow	24-10-88 (FN)

2. The aforesaid officess are placed under probation for a period of two years from the respective dates of assuming chasges.

B.S. SANDHU Dy. Director of Admn., For Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th December 1988

No. 4(54)/88-SI(B).—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Dhoom Singh Chauhan as Programme Executive at All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 1st December, 1988 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.

J. L. BHATIA
Dy. Director of Administration
for Controller General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (M. H. SECTION)

New Delhi, the 15th December 1988

No. A.12026/5/88-MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. D. Gautam, Audit Officer. Office of the Comptroller and Auditor General of India, New Delhi to the post of Accounts Officer (Group 'B', Gazetted) in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 18th August, 1988 until further orders.

CHANDER BHAN Dy. Director Administration (CGHS-I)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 14th December 1988

No. S/5101/FSS/Est,II/6224.—Shri Rajeev Kumar Sharma relinquished charge of the post of Station Officer 'A' on 31-10-1988 (AN) consequent on resignation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY) INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 9th December 1988

No. IGC/A 32015/1/88-R/727.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research, Kalpakkam hereby appoints Shri S. Mani, a permanent Upper Division Clerk of this Centre and an officiating Assistant Accounts in an officiating capacity on ad hoc basis as Accounts Officer-II in the same Centre with effect from 19-9-1988 (FN) to 30-10-1988(AN) vice Shri T. Anbumani, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III on ad hoc basis.

No. IGC/A 32015/1/88-R/728.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research, Kalpakkam hereby appoints Shri V. Raja, a permanent Upper Division Clerk of this Centre and an officiating Assistant Accountant in an officiating capacity on ad hoc basis as Assistant Accounts Officer in the same Centre with effect from 19-9-1988(FN) to 30-10-1988(AN) vice Shri S. Mani, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II on ad hoc basis.

C. STEPHEN BALASUNDARAM Administrative Officer

(DEPARTMENT OF SPACE) VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Establishment Section
Trivandium-695022, the 9th December 1988

No. VSSC/EST/F/1(17).—Director, Vikram Sarabhai Space Centic (VSSC) hereby appoints on promotion the undermentioned officials in Vikram Sarabhai Space Centre, Department of Space as Scientist/Engineers-'SB' in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/with effect from 1-10-1988 FN, until further orders:

- 1. Smt. Padma Padmanabhan-ELG
- 2. Sri 3. Sajeendran-ISL
- 3. Smt. K. Leela-ASD
- 4. Sri P. K. Ravivarman—CMF
- 5. Sri M. K. Joy-RPF
- 6. Srl Gopal Mohandau—TED
- 7. Sri K. Ganesan-EMD
- 8. Sri R. Sashibhushanan Nair-EMD
- 9. Sri S. S. Murali-PSLV

K. G. NAIR Senior Admn. Officer (EST)

SHAR CENTRE

Sriharikota Range-524 124, the 24th November 1988

No. SCF:PGA:ESTT:II:15.—The Controller, SHAR Centre appoints on promotion Shri N. Hari Babu to the post of Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- in the SHAR Centre, Schharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-11-1988,

RAJAN V. GEORGE Head, Personnel & General Administration Division

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVEL AVIATION

New Delhi, the 13th December 1988

No. A.32013/9/88-E.I.—The President is pleased to appoint S/Shri Ashok Kumar Sahdev and Harmesh Kumar, Senior Technical Assistants to the grade of Scientific Officer in the Civil Aviation Department on an ad-hoc basis for a period of six months with effect from 24-11-1988(FN) or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

The 15th December 1988

No. A.32013/2/86-E.I.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Bawa at present working as Director, Research & Development on ad-hoc basis as Director Research and Development in the Civil Aviation Department on regular basis in the pay scale of Rs. 4100-125-4850-159-5300 with effect from 28-10-1988 and until further orders.

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPIT. OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Swadeshi Spinners Limited.

Kanpur, the 13th December 1988

No. 15564/2898/LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956 the name of the Swadeshi Spinners Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Anand Mittal Chit Fund Finance Private Limited.

No. 5566/3318/LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Anand Mittal Chit Fund Finance (P) Ltd., has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Supreme Footwear Exporters Private Limited.

No. 15568/3390/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Supreme Footwear Exporters Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Opal Polypacks Private Limited.

No. 15570/6457/L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at he expiration of three months from the date hereof the name of the Opal Polypacks Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrar of Companies, U.P., Kanpur

In the matter of Companies Act, 1956 and of S. G. KUVEIKAR AND SONS (MINING) PRIVATE Limited, D. Francisco/Almeida Road, Panaji, Goa

Panaji, the 16th December 1988

No. 319/G/560(3)/4067.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the S. G. Kuvelkar and Sons (Mining) Private Limited Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Gajanan Karamali Mines Private Limited. Cacora, Goa

No. 316/G/560(3)/4069.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gajanan Karmali Mines Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be stuck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. B. B. Patil Mining Company Private Limited, Margao, Goa

No. 315/G/560(3)/4069.—Notice is hereby given pursuant a sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. B. B. Patil Mining Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Om Shiv Shakti Hotel Private Limited.

No. 463/G/4076.—Notice is hereby given pursuant to to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Om Shiv Shakti Hotel Private Limited has this day been struck off the Register and that the said company is dissolved.

S. P. KALA Registrar of Companies Goa, Daman & Diu Panaji Indian UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

cation form. Even if the date of birth la une equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals,
the candidate should ensure that while entering it in the
Application Form he uses International form of Indian
numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and
legible. In case there are any illegible or misleading entries,
the candidates will be responsible for th confusion and the
ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application forms correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with the application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft or Central Recruitment Fee Stamps for the prescribed fee. (See para 5 of Notice) Central Recruitment Fee Stamps should be pasted on the first page of the Application Form in the space provided for the purpose.
 - (ii) Attested/certified copy of certificate of age.

by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi will not

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See page 4 below)
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable. (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.
 - (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

NOTE (i)-CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUB-MIT ALONG WITH THEIR APPLICATION ONLY COPIES OF CERTIFICATES MEN-TIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFI-ED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OR THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DEC-LARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1989. THEY SHOULD KEEP THE ORIGI-NALS OF THE CERTIFICATES IN READI-NESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDI-DATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES

by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rupees Thirty-six only) through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/ SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or representative abroad, as the case may be for credit to the account head "0.51 Public Service Commission-Examination Fees" and attach receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY JECTED.

6. A refund of Rs. 21.00 (Rupees Twenty-one only) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 7 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. If any candidate who took the Special Class Railway Apprentices' Examination held in 1988 wishes to apply for admission to this examination be must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for he results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1988 Examination, his candidature for the 3 -416 GI '88

1989 examination will be cancelled on request and the fee estunded to him, provided that the request for cancellation of ennititatine and retund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1988 examination in the Employment News.

- 8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 9. The question papers in all the subjects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure-II.

(Km.) B. K. TEJA Dy. Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE-1

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPFAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 9th June, 1989 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International forms of Indian masserate are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSIC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for th confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application forms correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with the application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft or Central Recruitment Fee Stamps for the prescribed fee. (See para 5 of Notice) Central Recruitment Fee Stamps should be pasted on the first page of the Application Form in the space provided for the purpose.
 - (ii) Attested/certified copy of certificate of age.

- (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable. (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.
- (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.
- NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUB-MIT ALONG WITH THEIR APPLICATION ONLY COPIES OF CERTIFICATES MEN-TIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFI-ED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DEC-LARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER. 1989. THEY SHOULD KEEP THE ORIGI-NALS OF THE CERTIFICATES IN READI-NESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDI-DATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES

WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:---

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note: — Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(c) Central Recruitment Fee Stamps for the prescribed fee-

'Central Recruitment Fee' Stamps (NOT postage stamps) may be obtained from the post office and affixed on the first page of the application form in the space provided therein. The stamps may be got cancelled from the issuing Post Office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate the identification of date and the Post Office of issue.

'Postage Stamps' will in no case be accepted in lieu of 'Central Recruitment Fee' Stamps.

(ii) Certificate of Age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affl-davits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examintion Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFI-CATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTEST-ED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE. NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational qualification-

A candidate must submit in attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemisry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the Collage/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate:

2. He/She* has passed the first year examination under the three year degree course/first year Examination of the five year Engineering Degree Course/first year Examination of the three year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for he first year.

OR

- 3. @He/She* was examined in the following subjects:
 - 1.
 - 2.
 - 3.
 - 4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal.)

(Name of the University/College/Institution*)

Date

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 25th August, 1989.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate:

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of	ucted by nonth of
(i)	
(ii)	;
(iii)	
(iv)	7
(Signature of P.	rincipal)
(Name of the College/In	stitu te*)
Date	
Place	
*Strike out whichever is not applicable.	

A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iv) Two copies of photographs.-

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the district in which his parents or (surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if

both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the Certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@ the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951@

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists Modification Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956@

the Constitution (Audaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1954@

the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar Pradesh Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

%2. Applicable in the case of Scheduled Castes/Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Territory Administration.

This certificate is issued on the basis of the Scheduled Castes/Scheduled Tribes certificate isued to Shri/Shrimati*Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari*.....of village/town* in District/Divison*..... of the State/Union Territory*..... who belong to the caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* in the State/Union Territory* isuned by the dated %3. Shrl/Shrimatl/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* District/Division* of the State/Union Territory* of Signature **Designation...... (with seal of office)

Place Date

Union Territory

*Please delete the words which are not applicable. @Please quote specific Presidential order.

%Delete the paragraph which is not applicable.

Note—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **List of authorities empowered to issue Caste/Tribe certificates:
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisonal Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
- †(Note below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate,

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) A candidate disabled while in he Defence Service. claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5 (b) (iii) should produced an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in Operations during hostilities, with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the Certificate to be produced by the candldate:—

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(ii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5 (b) (iv), 5 (b) (v), 5 (b) (vi) or 5 (b) (vii), should produce an attested/certificate copy of the certificate, as applicable to them in the form prescribed below from the authorities concerned.

(A) Applicable for Released/Retired Personnel

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on	Authorities who are competent to it follows:—	ssue certificate are as
Name and Designation of the Competent Authority	(a) In case of Commissioned Offi SSCOs.	icers including ECOs/
Station Date	Army—Military Secretary's I New Delhi.	Branch, Army Hqrs.,
SEAL	Navy—Directorate of Person New Delbi.	mal, Naval Hars
(B) Applicable for serving personnel who are due to be released within six months.	Air Force—Directorate of Po Hqrs., New Delhi.	ersonnel Officers. Air
It is certified that No	(b) In case of JCOs/ORs and e and Air Force.	quivalent of the Navy
from	Army—By various Regiment Navy—BABS, Bombay.	al Record Offices.
2. He is due for release/retirement w.e.f	Air Force—Air Force Reco	rds, (NERW), New
is likely to complete his assignment of five years by		
***************************************	(iii) "A resident of Assam claiming Rule (b) (viii) or 5(b) (ix) should certified copy of a certificate from the	produce an attested /
Name and Designation of the Competent Authority Station	or Sub-Divisional Officer within whose narily resided, to the effect that he I the State of Assam during the period	e jurisdiction he ordi- ad been a resident of
Date SEAL	to 15th August 1985."	
"(C) Applicable for serving personnel who have already completed their initial assignment and are on extended assign-	The Form of Certificate to be produce	d by the candidate :—
ment.	This is to certify that Shri/Shrims son/daughter ofhad State of Assam in the Village/town Sation Sub-Divi	been a resident of thePolice
It is certified that No	District	to
		District Magistrate
2. He has already completed his initial assignment of five years on	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	District
		0.1.701.11.01.020
3. There is no objection to his applying for civil employment and he will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment."		Sub-Divisional Officer
	Seal.	
Name and Designation of the Competent Authority.	Date of Issue	Sub-division
Station Date Scal	6. A person in whose case a cert required, should apply to the Govern of Railways (Railway Board), for iss	ment of India, Ministry

Scal

tificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

and the second s

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inscerned of any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 9. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 11. The Union Public Service Commission have brought out a price publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110 001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The

Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 12. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110 011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OF THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
 - N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
 - N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RE-CEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 13. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinfater referred to 28

item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

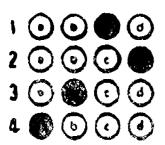
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,...... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d, Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

in the Answer Sheet number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to make the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination half twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examinator.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor, YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examnation hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your scat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the

invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless, Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them, Your score will depend only on the number of correct responsed indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note-*denote the correct best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- *(u) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₅ VO₄ is

- (a) VO_a
- (b) VO₄
- (c) V₂O₂
- *(d) V₂O,

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when ;

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be.

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Palgioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite.

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation.

$$\frac{dy^2}{dx^2} \quad \frac{dx}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c) y=ae-+-be
- *(d) y=ac x --- a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature 400°K, and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
 - (c) 4/(3+4)
 - (d) 3/(3+4).

10. (Statistics)

The mean of a Binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) --5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the beyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vadic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the athelstic group of philosophical systems in the lollowing:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa.
- (b) Nyaya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Caryaka.
- (c) Advaita, Vendanta, Samkhya, Carvaka, Yoga,
- *(d) Buddhism, Samkhya, Mimamea, Carvaka.

14. (Political Science)

'Functional representation' means :

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (e) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal.
- *(b) reduction of the drive state.
- (c) instrumental learning.
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
 - (b) untouchability has decreased.
 - (c) land-ownership has spread to deprived classes.
 - (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (question) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.